चेचक के टीके

*६३६. श्री विभूति मिश्र :
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :
श्री बंरवा कोटा :
श्री श्याम लाल सर्राफ :
श्री सरजू पाण्डेय :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने राज्य सरकारों को परामर्श दिया है कि चेचक के प्रकोप से बचने के लिए बड़े पैमाने पर टीके लगाये जायें; और

(ख) क्या यह भी सच है कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए भारत प्रतिरक्षा नियमों की सहायता ली जा रही है ?

स्वास्थ्य मन्त्री (डा० सुशीला नायर): (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं, अभी तक नहीं ।

सरकारी कर्मचारियों को क्वार्टरों का दिया जाना

*६३७. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री राम हरख यादव :

क्या निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के क्वार्टरों का अवंटन करने की नीति में परिवर्तन किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसकी मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) क्या जिन सरकारी कर्मचारियों के दिल्ली में अपने मकान हैं, उन्हें सरकारी क्वार्टर नहीं दिये जायेंगे ?

निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मन्त्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख) : चन्दा समिति की सिफारिशों पर सरकार के निश्चयों के अनुसार, जिनका सारांश ४ जनवरी १९६२ को सभा पटल पर रख दिया गया था, सामान्य पूल में निवास स्थान के नियतन (अलौटमेंट) के लिए मौजूदा नियमों का परिशोधन (रिविजन) किया जा रहा है । इस परिशोधन नीति की ख़ास ख़ास बातें इस मंत्रालय की सन् १९६२–६३ की वार्षिक रिपोर्ट में भी दी गई हैं, जो संसद् सदस्यों को दी जा चुकी है ।

(ग) जिन सरकारी कर्मचारियों के दिल्ली में अपने मकान हैं, वे मौजूदा नियमों के अनुसार पहले ही सरकारी निवास स्थान पाने के पात्र नहीं हैं ।

दिल्ली में यमुना पर बांध

*६३८. श्री भक्त दर्शन : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री २० अगस्त, १९६२ के अतारांकित प्रश्न संख्या ११३४ और ११८८ के उत्तरों के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में यमुना नदी पर राजघाट और ओखला के समीप दो नये बांध बनाने के प्रस्तावों के सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है ? और

(ख) इन बांधों का निर्माण कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री इलगेशन) : (क) और (ख) राजघाट के निकट यमुना नदी पर बराज बनाने का प्रस्ताव अभी भी विचाराधीन है । ओखला के निकट यमुना पर दूसरे बराज का प्रस्ताव आपत्काल के कारण स्थगित कर दिया गया है ।